मैं टी20 की आलोचना नहीं कर रहा लेकिन यह मेरा खेल नहीं है। हां, यह यहां है और यहां रहेगा। यह रोमांचक है और इसमें मजा भी है। जब आप किसी खेल में जाते हैं, तो आप आनंद लेना चाहते हैं। हां, यह देखना अच्छा है लेकिन यह ऐसा मुकाबला नहीं है जिसे मैं नियमित रूप से देखता हूं।" **–गॉर्डन ग्रीनिज**

वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर, टी-20 क्रिकेट को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **कैरोलिनी मारिन**

करियर को खतरे में डालने वाली दो बार घुटने की चोट किसी भी खिलाड़ी का हौसला तोड़ सकती है लेकिन ओलंपिक चैम्पियन कैरोलिना मारिन ने 'दर्द को स्वीकार' किया और हार मानने के बजाय संघर्ष करने का फैसला किया। ओलंपिक, विश्व और यूरोपीय चैंपियन मारिन को जनवरी में 2019 इंडोनेशियाई मास्टर्स फाइनल के दौरान अपने दाहिने घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) की चोट का सामना करना पड़ा था। उन्होंने 2020 में वापसी की और तोक्यो खेलों की तैयारी कर रही थी जब उन्हें एक और एसीएल का सामना करना पड़ा।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

क्या शास्त्री की बात मानेंगे विराट-रोहित

पूर्व कोच ने दोनों को दी रणजी खेलने की सलाह, ताकि स्पिन के खिलाफ बैटिंग सुधरे

नई दिल्ली, 23 जनवरी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला 24 जनवरी को है। वहीं, रणजी ट्रॉफी में अगले राउंड के मुकाबले भी इसी दिन शुरू हो रहे हैं। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री की ओर से सलाह आई कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों को इस वनडे की जगह अपनी-अपनी घरेलू टीमों के लिए रणजी मैच खेलना चाहिए। अगले महीने से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू हो रही है। इस सीरीज की प्रैक्टिस के लिए रणजी मैच खेलना अच्छा उपाय हो सकता है। विराट और रोहित यह सलाह मानेंगे या नहीं यह हमें अगले कुछ घंटों में पता चल ही जाएगा। अब तक इसको लेकर खिलाड़ियों का का कोई बयान आया नहीं है। इससे यही उम्मीद है कि हमारे स्टार वनडे को ही तरजीह देंगे। हालांकि, बैटिंग का एक पहलू जरूर ऐसा है जिससे आधार पर लगता है कि दोनों सितारों को घरेलू मैच जरूर खेलना चाहिए। विराट और रोहित दोनों ही हाल के समय घरेलू पिचों पर स्पिन के खिलाफ लड़खड़ाने लगे हैं। पिछले दो वनडे मैच को ही याद कीजिए। विराट को मिचेल सैंटनर की गेंद समझ नहीं आ रही थी। इस स्टोरी में हम पहले तो स्पिनर्स के खिलाफ विराट और रोहित की भारतीय पिचों पर पिछले दो साल के रिकॉर्ड को देखेंगे। फिर यह समझने की कोशिश करेंगे कि ये दोनों घरेलू क्रिकेट में क्यों नहीं खेलते हैं। आमतौर पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारत में स्पिन ट्रैक बनाए जाते हैं। घूमती गेंदें विदेशी बल्लेबाजों को कन्फ्यूज करती हैं। हम उम्मीद करते हैं कि इन पिचों पर हमारे बल्लेबाज दुनिया के किसी भी स्पिनर को अच्छा खेल लेंगे और हम सीरीज जीत लेंगे। घर में स्पिन पिच बनवाने का फैसला हमें रास भी आता रहा है। 2012 के बाद भारतीय टीम घरेलू पिचों पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। आप कहेंगे कि जब लगातार जीत ही रहे हैं तो फिर विराट और रोहित को लेकर डिबेट ही क्यों? डिबेट इसलिए है क्योंकि स्पिनर्स के सामने ये लगातार फेल हो रहे हैं। हाल-फिलहाल ऋषभ पंत अपनी शानदार बैटिंग से इनकी विफलताओं को ढक लेते थे। इस बार पंत नहीं हैं। इसलिए भारतीय टॉप ऑर्डर के पास फेल होने का ऑप्शन नहीं है। रोहित शर्मा : साल 2020 से अब तक भारत में खेले टेस्ट मैचों में कुल 9 बार आउट हुए हैं। इसमें से 6 बार उन्हें स्पिनर्स ने आउट किया है। इन 6 में 5 बार रोहित को लेफ्ट आर्म स्पिनर ने आउट किया है। सबसे ज्यादा जैक लीच ने चार बार आउट किया है। विराट कोहली 2022 से अब तक देश में खेले टेस्ट मैचों में 11 बार आउट हुए हैं। 9 बार स्पिनर्स ने आउट किया। इनमें से 5 दफा लेफ्ट आर्म स्पिनर और 4 बार राइट आर्म स्पिनर ने आउट किया है। स्पिनर्स में मोइन अली ने सबसे ज्यादा 2 बार आउट किया है। इसके पीछे बहुत ज्यादा क्रिकेट को कारण बताया जाता है। यह कहा जाता है कि भारतीय खिलाड़ी, खासकर विराट और रोहित ऑल फॉर्मेट प्लेयर्स हैं। इसके अलावा ये भी खेलते हैं। ऐसे में अगर घरेलू क्रिकेट भी खेलेंगे तो बर्न आउट हो जाएंगे। तर्क सुनने में सही लगता है, लेकिन यह भी ध्यान देना चाहिए ये खिलाड़ी ब्रेक भी तो बहुत लेते हैं। घरेलू क्रिकेट न खेलने की वजह से स्पिन के खिलाफ इनकी प्रैक्टिस बहुत कम हो जाती है। विदेशी दौरों पर पिचें ज्यादातर फास्ट बॉलिंग की मददगार होती है। लिहाजा बाहर स्पिन का अभ्यास नहीं मिलता। दूसरी ओर घर में व्हाइट बॉल क्रिकेट खेलकर टेस्ट क्रिकेट के लायक स्पिन का अभ्यास नहीं हो सकता है। ज्यादा क्रिकेट की समस्या सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के खेलने के जमाने में भी रही थी। तब टी-20 नहीं था, लेकिन वनडे मैच बहुत होते थे। इसके बावजूद सचिन तेंदुलकर जैसा सीनियर और दिग्गज खिलाड़ी जरूरत के हिसाब से घरेलू क्रिकेट खेलता था। 1998 में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौरे पर आई थी। टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया का अभ्यास मैच मुंबई से था। सचिन इस मैच में मुंबई के लिए खेले थे, ताकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए तैयारी अच्छी हो सके। इसके अलावा भी वे कई मुंबई के लिए रणजी के सेमीफाइनल, फाइनल जैसे नॉकआउट मुकाबलों में उतरे। द्रविड़ और लक्ष्मण भी भारतीय स्टार बन जाने के बावजूद अक्सर घरेलू क्रिकेट खेलते रहते थे। इससे भारतीय परिस्थितियों में रेड बॉल के खिलाफ इनकी बैटिंग की धार बनी रहती थी

एमआई, आरसीबी खरीदना चाहता है महिला आईपीएल में टीमें

मुंबई, 23 जनवरी। मुंबई इंडियन्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर सहित कुल छह फ्रेंचाइज़ियों ने महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में टीमें खरीदने की मंशा जाहिर की है। क्रिकबज़ ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के हवाले से सोमवार को बताया कि इन फ्रेंचाइजियों में सनराइज़र्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का नाम भी शामिल है। महिला आईपीएल के लिये बोली दस्तावेज जमा करने की आखिरी तारीख 23 जनवरी थी। क्रिकबज़ ने बताया कि ये छह फ्रेंचाइजी बोली दस्तावेजों के साथ मौके पर दिखाई दीं। चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स और लखनऊ सुपर जायंट्स ने महिला आईपीएल में टीम नहीं खरीदने का फैसला किया है। गैर-आईपीएल पार्टियों में से किसने कागजात जमा किये हैं इस पर अभी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हुयी है, हालांकि अडानी समूह और टोरेंट फार्मा ने भी महिला आईपीएल में अपनी रुचि व्यक्त की है।

मैंने नहीं किया अदालत का रुख : बृजभूषण

नयी दिल्ली, 23 जनवरी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष और कैसरगंज लोकसभा सीट से सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने दिल्ली सरकार, विरोध प्रदर्शन करने वाले पहलवानों या किसी मीडिया संस्थान के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दर्ज नहीं की है। बृजभूषण ने सोमवार को ट्वीट करके इसकी जानकारी दी। बृजभूषण ने ट्वीट किया, मेरे या मुझसे सम्बद्ध किसी अधिकृत व्यक्ति द्वारा दिल्ली सरकार, धरना देने वाले पहलवानों और न्यूज़ चैनलों के विरुद्ध कोई याचिका प्रस्तुत नहीं की गई है। मैंने किसी अधिवक्ता, लॉ एजेंसी या प्रतिनिधि को किसी न्यायालय में याचिका प्रस्तुत करने की अनुमति या अधिकार प्रदान नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि विश्व चैंपियनशिप मेडलिस्ट विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया सहित कई सम्मानित पहलवानों ने बृजभूषण पर यौन शोषण जैसे गंभीर आरोप लगाये थे। बृजभूषण ने अदालत जाने की अफवाहों पर पूर्ण विराम लगाते हुए कहा, मीडिया के सभी माध्यमों से आग्रह है कि कोई भी अपुष्ट और अप्रामाणिक ख़बर प्रसारित न करें। वर्तमान समय में विषय की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए सभी से अनुरोध है कि किसी अफवाह या भ्रामक तथ्य को बढ़ावा देकर अव्यवस्था न बढ़ायें।

सानिया-बोपन्ना की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिक्स्ड डबल में बेहर-निनोमिया को 6-4, 7-6 से हराया, अब जेलेना-डेविड से मुकाबला

नई दिल्ली, 23 जनवरी। आखिरी ग्रैंड स्लैम खेली रहीं भारतीय स्टार सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन की मिक्स्ड कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय जोड़ी ने उरुग्वे के एरियल बेहर और माकोटो निनोमिया की जोड़ी 6-4 7-6 से हराया।

एक घंटे 17 मिनट चले इस मुकाबले के पहले सेट में भारतीय हावी रहे। उसके बाद उरुग्वे-जापानी जोड़ी ने कमाल की चुनौती पेश की, हालांकि यह जोड़ी मुकाबले को आखिरी सेट तक नहीं ले सकी। मंगलवार को भारतीय जोड़ी का सामना लातवियाई की जेलेना ओस्टापेंको और स्पेन के डेविड वेगा हर्नांडेज की जोड़ी से होगा। बोपन्ना-मिर्जा ने 6 साल पहले 2017 में फ्रेंच ओपन का मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता था। साल के पहले ग्रैंड स्लैम की बात करें तो ऑस्ट्रेलियन ओपन में

मिर्जा महेश भूपति के साथ 2009 में चैंपियन बनी थीं। भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 के इस मुकाबले का पहला सेट आसानी से जीत लिया। इसका स्कोर 6-4 रहा। दूसरे सेट में उरुग्वे-जापानी जोड़ी ने मिर्जा-बोपन्ना को जबर्दस्त चुनौती दी। मुकाबला टाइब्रेकर तक गया, हालांकि जीत भारतीयों के पक्ष में रही। इसका स्कोर 7(11)-6 (9) रहा।

रियो ओलिंपिक की सेमीफाइनलिस्ट भारतीय जोड़ी ने दो दिन पहले वाइल्ड कार्ड एंट्री प्राप्त ऑस्ट्रेलिया की जैमी फोरलिस और ल्यूक सैविल को एक घंटे 14 मिनट में 7-5, 6-3 से हराया था। साल के पहले ग्रैंड स्लैम के 7 वें दिन भारतीय स्टार सानिया मिर्जा अपनी जोड़ीदार एना डानिलिना के साथ दूसरे दौर में उलटफेर का शिकार हुई। भारत-कजाख की 8वीं सीड जोड़ी को बेल्जियम की एलिसन वान उइतवैंक और यूक्रेन की एनहेलिना कलिनिना की गैरवरीय जोड़ी ने 4-6, 6-4, 2-6 से हराया। यह मुकाबला करीब 2 घंटे तक चला। सानिया मिर्जा और एना डेनिलिना ने डालमा गल्फी और बर्नार्डा पेरा की हंगरी-अमेरिकी जोड़ी को हराकर महिला युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया था।

आईसीसी की टी-20 टीम में कोहली, सूर्यकुमार, पांड्या

दुबई, 23 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2022 की पुरुष टी20 टीम में विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या के रूप में तीन भारतीय क्रिकेटरों को शामिल किया है। रन मशीन कोहली ने 2022 में फॉर्म में वापसी करते हुए अपनी बल्लेबाजी की पुरानी झलक दिखाई। वह एशिया कप के पांच मैचों में 276 रन बनाकर टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। साथ ही उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार शतक के साथ करीब तीन साल के अपने शतक के सूखे को समाप्त किया। पिछले साल 23 अक्टूबर को कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ 82 रन की करिश्माई पारी खेली जिसे उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी भी बताया।

कोहली ने टी20 विश्व कप में इसके बाद भी तीन अर्द्धशतक जड़े और 296 रनों के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। एकादश में कोहली के बाद चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव को जगह दी गयी है, जिन्होंने पिछले साल अपनी 360 डिग्री बल्लेबाजी से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सूर्यकुमार ने 2022 में 187.43 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 1164 रन टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाये, जिसमें दो शतक और नौ अर्द्धशतक शामिल रहे। साथ ही वह एक साल में 1000 टी20 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गये।

आईसीसी ने साल की सर्वश्रेष्ठ टी20 एकादश में सातवें नंबर पर हार्दिक पांड्या को जगह दी। पांड्या ने 2022 में बतौर ऑलराउंडर भारत के लिये बल्ले और गेंद दोनों से जबरदस्त योगदान दिया। गुजरात को आईपीएल 2022 का खिताब जिताने वाले पांड्या ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 607 रन बनाये और 20 विकेट भी लिये।

जहां टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली ने आक्रामक रुख अपनाया, वहीं दूसरे छोर पर पांड्या ने 31 रन पर चार विकेट गिरने के बाद पारी को संभालने में मदद की। पांड्या ने विश्व कप के सेमीफाइनल में भी अपनी अविश्वसनीय हिटिंग का प्रदर्शन करते हुए 33 गेंदों में 63 रन बनाकर भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। उनकी यह पारी हालांकि टीम के काम नहीं आयी और भारत सेमीफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

भारत-न्यूजीलैंड मैच में कल अंपायरिंग करेंगे इंदौर के नितिन मेनन

इंदौर, 23 जनवरी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 24 जनवरी को इंदौर के होलकर स्टेडियम में वनडे मैच खेला जाएगा। मैच के लिए दोनों टीमें इंदौर पहुंच चुकी हैं। वहीं इस बार एक खास संयोग भी मैच में रहेगा। सामान्य तौर पर जिस शहर में मैच होता है वहां का यदि खिलाड़ी भी मैच खेल रहा है तो सभी की उस पर नजर रहती है, लेकिन इस बार खास बात ये कि इंदौर का एक बेटा नितिन मेनन मैच के दौरान मैदान में अंपायरिंग करता नजर आएगा।

40 साल में ऐसा पहली बार होगा जब कोई इंदौरी अंपायर अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच में मैदान पर फैसला सुनाएगा। नितिन के अंपायर पिता भी अपने शहर इंदौर में किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में अंपायरिंग करना चाहते थे, हालांकि उन्हें अवसर नहीं मिला, लेकिन बेटे को अवसर मिलने पर वे बहुत खुश हैं। नितिन अब तक करीब 90 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं। आइए जानते हैं, उनके बारे में और ये भी बताएंगे कि पिता ने उन्हें क्या समझाइश दी थी, जो आज भी उनके दिमाग में है।

नितिन के पिता नरेंद्र मेनन भी अंपायर रहे हैं। वे बताते हैं, '1960 में मैंने 13 साल की उम्र में स्कूल टूर्नामेंट खेला था। तब दो ही टूर्नामेंट होते थे स्कूल और रणजी ट्रॉफी। इसके बाद 1966 में मैंने रणजी खेला। रणजी खेलने पर तब 10 रुपए प्रतिदिन के मान से मिलते थे। अब तो ये अमाउंट करीब डेढ़ लाख रुपए रोजाना हो चुका है। प्रैक्टिस के लिए सिर्फ जिमखाना था। इंदौर में मैटिन विकेट पर खेला, रणजी में नागपुर में टर्फ पर खेलने को मिलता था। 1981 तक बतौर क्रिकेटर खेलता रहा। इसके बाद 1983 से 1997 तक रणजी ट्रॉफी में सिलेक्टर रहा। इस बीच 1982 में स्टेट लेवल अंपायर बन गया था।

इंदौर के बेटे नितिन मेनन के पिता नरेंद्र मेनन भी अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं। आइए आपको बताते हैं कि पिता नरेंद्र मेनन ने इंदौर में होने वाले मैच और नितिन की अंपायरिंग को लेकर दैनिक भास्कर से चर्चा में क्या कहा। 'पूरा परिवार गर्व महसूस कर रहा है। इसलिए सभी मैच देखने भी जाएंगे।

अंपायरिंग में गलती तो सभी से होती है। नोबडी इज परफेक्ट (कोई भी सम्पूर्ण नहीं होता)। कोई भी व्यक्ति जानबूझकर गलती नहीं करता है, लेकिन कुछ न कुछ गलती हो जाती है। मैच कोई सा भी हो, अंपायरिंग-अंपायरिंग ही होती है। जूनियर मैच हो, रणजी ट्रॉफी मैच हो। मैंने हमेशा बच्चे को एक ही चीज बोली है कि अगर अच्छी अंपायरिंग करनी है तो कोई भी बॉलर हो, कोई भी बैट्समैन हो मुंह देखकर अंपायरिंग करोगे तो आप कभी अच्छी अंपायरिंग नहीं कर सकते।

क्या होता है मान लीजिए सामने जैसे कपिल देव आ गए, अभी विराट कोहली हैं तो कई अंपायर चेहरा देखकर घबरा जाते हैं। बेटे को मेरी यही सलाह थी कि अपना काम है, बॉल देखना, बैट देखना, पैड्स देखना और स्टम्प देखना। सिर्फ इस पर कॉन्सन्ट्रेट करोगे तो बहुत अच्छे अंपायर बन सकते हो।

पूर्णांक का कहर, असम की पारी 101 पर ढेर

कानपुर 23 जनवरी। मध्यम तेज गेंदबाज पूर्णांक त्यागी (33 रन पर छह विकेट) और कुनाल त्यागी (50 रन पर तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत उत्तर प्रदेश ने सीके नायडू अंडर-25 में वर्षा बाधित लीग मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को असम की पहली पारी को 101 रन पर समेट दिया।

ग्रीनपार्क मैदान पर दिन का खेल खत्म होने के समय तक हर्ष त्यागी (6) और अंजानेय सूर्यवंशी बगैर खाता खोले क्रीज पर मौजूद थे। टॉस जीत कर पहले क्षेत्ररक्षण कर रही मेजबान टीम के गेंदबाजों ने बादलों से ढके आसमान के बीच पिच की नमी का भरपूर फायदा उठाया। पूर्णांक और कुनाल की जोड़ी असम के बल्लेबाजों पर कहर बन कर टूटी और मेहमान टीम के खेमे में पूरे दिन हलचल बनी रही। पूर्णांक ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये दो रन के इकॉनोमी रेट से असम के छह बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। पूर्णांक का खौफ विपक्षी खेमे में इस कदर छाया रहा था कि उनके तीन बल्लेबाज बिना खाता खोले पवेलियन लौट गये। रितुराज विश्वास (46) इकलौते ऐसे बल्लेबाज थे जिन्होंने मेजबान गेंदबाजी का सामना साहस के साथ किया।

विमेंस आईपीएल टीमों से बोर्ड को मिलेंगे 4000 करोड़ रुपये

बुधवार को होगी नीलामी, 800 करोड़ तक हो सकती है एक टीम की कीमत

नई दिल्ली, 23 जनवरी । विमेंस टीमों का ऑक्शन बुधवार यानी 25 जनवरी को होना है। यानी इस दिन डिसाइड हो जाएगा कि कौन सी कंपनी किस टीम को खरीदती है। इस ऑक्शन से भारतीय क्रिकेट बोर्ड को 4 हजार करोड़ रुपए तक मिल सकते हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, एक टीम 500 से 600 करोड़ रुपए तक में बिक सकती है। बोली 800 करोड़ रुपए के ऊपर भी जा सकती है।

महिला में टीम खरीदने के लिए 30 से ज्यादा कंपनियां होड़ में है। इसमें मेंस के मालिकों समेत अडाणी समूह, टोरेंट समूह, हल्दीराम ग्रुप, कैप्री ग्लोबल, कोटक और आदित्य बिड़ला ग्रुप शामिल है। इन सभी ने 5 लाख रुपए का बिडिंग डॉक्यूमेंट खरीदा था।

इनमें से कई कंपनीयां 2021 में मेंस में टीम खरीदने की कोशिश कर चुकी है। पर वे नाकाम रहीं। मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और दुनिया भर में अपनी पहले से मौजूद मेंस टीम के कलेक्शन में एक महिला टीम को भी जोड़ना चाहते है। ऐसा करने के लिए सभी टीमों के मालिक गंभीरता से विचार कर रहे है।

बोर्ड ने हाल ही में विमेंस के 5 साल के मीडिया राइट्स 951 करोड़ रुपए में बेचे हैं। यानी एक मैच 7 करोड़ रुपए का होगा। बोर्ड पहले पांच साल तक मीडिया राइट्स से हुई कमाई का 80 हिस्सा टीमों में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। इसके बाद 5 साल 60 और उसके बाद 50 हिस्सा टीमों के खाते में जाएगा। इसके अलावा, फ्रेंचाइजी को सेंट्रल लिसेंसिंग राइट्स से प्राप्त राशि का 80 फीसदी भी मिलेगा। बाकी का रेवेन्यू स्पोंसर्स, सेल्स और टिकट से मिलेगा।

विमेंस का पहला सीजन इस साल मार्च में खेला जाएगा। 5 टीमों के बीच कुल 22 मैच मुंबई के डीवाय पाटील और ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही होंगे। वानखेड़े स्टेडियम को पुरुष के लिए तैयार किया जाएगा। अब तक विमेंस टी-20 चैलेंज आयोजित करता रहा था। इसके मुकाबले पुरुष सीजन के बीच में होते थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक महिला टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। 25 जनवरी को 5 टीमों के नाम सामने के बाद नीलामी होगी।

एक पैर से दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ किए फतह

शारीरिक अक्षमता भी ऊंचे इरादों को नहीं डिगा सकती, यही साबित करने के लिए दुर्गम पहाड़ों पर क्लाईंबिंग और स्कीइंड करता हूं

नई दिल्ली, 23 जनवरी। मैं वासु सोजित्रा। क्लाइंबर, स्कीयर, स्केटबोर्डर और पेशेवर फुटबॉलर भी। लेकिन सामान्य कैटेगरी में नहीं, बल्कि दिव्यांग कैटेगरी में। मेरा दायां पैर 9 महीने की उम्र में सेप्टीसीमिया (खून से जुड़ी बीमारी) के कारण काटना पड़ा। जब समझ आई, तो कई प्रॉस्थेटिक पैर आजमाए, लेकिन किसी से खास मदद नहीं मिली। ऐसा लगता था कि वह मुझे बांध रहा हो और आगे बढ़ने से रोक रहा हो। स्वतंत्र महसूस नहीं करता था। इसके बाद फोरआर्म प्रॉस्थेटिक क्रजेस (बैसाखी) का प्रयोग शुरू किया। इन्हें मैं 'निंजा-स्टिक' कहता। बहुत से लोग अक्षमता को भयानक घटना के रूप में देखते हैं। वे मेरे पास आकर दया की भावना दिखाते। लेकिन मेरे हिसाब से दिव्यांगता और अक्षमता कमजोरी की निशानी नहीं हैं। समस्याएं वे हैं, जो जिंदगी में बाधा डालती हैं। मैं स्कीइंग, क्लाइंबिंग कर ऐसी बाधाओं और धारणाओं को तोड़ता हूं। मेरा मानना है कि हम इंसान हैं और हम लोगों में अक्षमता हमेशा रहेगी। बहरहाल, मैंने 11 साल की उम्र में सबसे पहले स्कीइंग की थी। मैं भाई के साथ कनेक्टिकट की स्थानीय पहाड़ी पर स्कीइंग करने गया था। वहां के अन्य स्कीयर ने मुझसे सिर्फ इतना कहा- गुड जॉब, ऐसे ही करते रहो। इससे मुझे काफी प्रेरणा मिली। मैं शुरुआत में भारत में पला-बढ़ा, जहां काफी गरीबी देखी थी। वहां के अनुभवों ने मुझे न केवल दिव्यांग समुदाय बल्कि हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया। मैं और मेरे दोस्त पीट मैकेफी नॉर्थ अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी डेनाली फतह करने वाले पहले दिव्यांग एथलीट बने थे। मैं अमेरिका की दिव्यांग फुटबॉल टीम में एक पेशेवर खिलाड़ी भी हूं।

भारतीय पिचों पर आगर हो सकते है एक्स फैक्टर : लेहमन

सिडनी, 23 जनवरी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कोच डैरेन लेहमन ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में एश्टन आगर को एकादश में जगह देनी चाहिये क्योंकि वह भारतीय पिचों पर एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं। लेहमन ने ऑस्ट्रेलियाई रेडियो स्टेशन सेन पर कहा, मैं वहां जा चुका हूं, इसलिये मैं एक फिन्नर स्पिनर को तरजीह दूंगा।

उल्लेखनीय है कि जब ऑस्ट्रेलिया ने 2017 में भारत को पुणे में मात दी थी तब लेहमन मेहमान टीम के कोच थे। पुणे टेस्ट में वामहस्त स्पिनर स्टीव ओकीफ ने मैच जिताऊ प्रदर्शन करते हुए 12 विकेट अपने नाम किये थे। लेहमन ने कहा, गेंद हवा में तेजी से सफर करती है। कुछ गेंदें स्पिन होती हैं और कुछ नहीं। लेग स्पिनर कभी-कभी बहुत अधिक स्पिन कर देते हैं। (फिंगर स्पिनरों की) कुछ गेंदें फंसकर आती हैं, आप पगबाधा आउट हो जाते हैं। यह फिंगर स्पिनर को चुनने का एक कारण है।

उन्होंने कहा, हमने चार साल पहले (2017) ऐसा किया था और स्टीव ओकीफ ने भारत को अपने दम पर आउट करके हमें वहां आखिरी जीत दिलाई थी। मैं इसी कारण से आगर को टीम में चुनूंगा। वह थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं और दूसरे स्पिनर के तौर पर गेंदबाजी कर सकते हैं।

भारत के खिलाफ होने वाले चार टेस्ट मैचों के लिये चुनी गयी ऑस्ट्रेलियाई स्क्वाड में आगर एकमात्र वामहस्त स्पिनर हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम में लेग-स्पिनर मिचेल स्वेपसन और ऑफ-स्पिनर टॉड मर्फ़ी का नाम भी शामिल है।

इंडोनेशिया मास्टर्स में नयी ऊर्जा के साथ उतरेंगे भारतीय शटलर

जर्काता, 23 जनवरी। इंडिया ओपन में मिली हार को भुला कर लक्ष्य सेन समेत भारत के अन्य शीर्ष शटलर मंगलवार से यहां शुरू हो रहे इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट में नये जोश के साथ कोर्ट में उतरेंगे। इंडिया ओपन में भारत का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। भारत के स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने औसत दर्जे का प्रदर्शन करते हुये टूर्नामेंट से जल्द विदाई ली थी, जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की कूल्हे की चोट के कारण भारतीय चुनौती दूसरे दौर में ही समाप्त हो गई थी।

पीवी सिंधु के अलावा सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी इस सप्ताह नहीं खेल रही है, ऐसे में भारत की निगाहें विशेषकर लक्ष्य सेन पर होंगी। अल्मोड़ा के 21 वर्षीय खिलाड़ी का मुकाबला मलेशिया ओपन के फाइनल में पहुंचकर सनसनी मचाने वाले कोडाई नारोका से होगा। इंडिया ओपन में सेन के खिलाफ पहले दौर में हार से निराश आठवीं वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। प्रणय अपने पहले मैच में जापान के कांता सुनेयामा से भिड़ेंगे जहां उनको कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है।

वर्ष 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन में रोमांचक मुकाबले में विक्टर एक्सेलसेन से हार गये थे, मगर अब वह नये जोश के साथ पूर्व विश्व नंबर एक इंडोनेशिया के शेसर हिरेन रुस्तावितो के खिलाफ जीत हासिल कर अपनी लय पाने की कोशिश करेंगे।

महिला एकल में साइना नेहवाल पहले दौर में चीनी ताइपे की पाई यू पो से भिड़ेंगी। भारतीयों को उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता ने इंडिया ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई थी वहीं मालविका बंसोड़ पूर्व विश्व चैंपियन रत्चानोक इंतानोन के खिलाफ ओपनिंग करेंगी। पुरुष युगल में कृष्णा प्रसाद गरागा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला अपने पहले मुकाबले में मलेशिया के टैन कियान मेंग और टैन वी कियोंग से भिड़ेंगे। एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिल पूर्व की चोट के कारण इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले रहे हैं। महिला युगल में एन सिक्की रेड्डी और श्रुति मिश्रा, हरिता मंझील एच और अशना रॉय, अश्विनी भट के और शिखा गौतम मैदान भारत की तरफ से अपनी दावेदारी पेश करेंगी।

राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता में जोधपुर के पूराराम को गोल्ड

नई दिल्ली, 23 जनवरी। राष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई), दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता-2023 (एन्डूरेन्स 40- किमी) सागर एकूएस्ट्रियन स्पोर्ट्स अकैडमी , गजधार पूरा ,जयपुर में 20 जनवरी से 22 जनवरी 2023 को संपन हुई जिसमे 12 राज्यों से 15 टीमें के करीब 150 से ज्यादा घाड़े एवं घुड़सवारों ने भाग लिया ।

इसमें जूरी मेम्बर कर्नल भरत सिंह प्रेसीडेंट ठाउन्ड जूरी तथा अब्दुल अजीज सर टेक्निकल डेलीगेट तथा श्री नीरव पटेल जूरी मअम्बेर थे । जिनकी नियुक्ति राष्ट्रीय घुडसवारी महासंघ(ईएफआई), दिल्ली द्वारा की जाती है ।

राष्ट्रीय घुडसवारी प्रतियोगिता-2023 (40- किमी) में सागर एकूएस्ट्रियन स्पोर्ट्स अकेडमी, जयपुर के पूराराम ने व्यक्तिगत स्पर्धा ने गोल्ड मेडल , राहुल कुमार ने सिल्वर मेडल एवं सर्वन सिंह ने ब्रॉनज़ माडल जीता। टीम स्पर्धा मे भी सागर एकूएस्ट्रियन स्पोर्ट्स अकेडमी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्वालीफ़ाई घोड़े एवं घुडसवार 24 -25 फरवरी 2023 को सागर एकूएस्ट्रियन स्पोर्ट्स अकैडमी, गजधार पूरा, जयपुर में ही आयोजित एन्डूरेन्स 60- किमी में भाग लेंगे।